Shree Shivkrupanand Swami

'Samarpan Bhavan', Eru-Abrama Road, Near Gandhi Smriti Station (W),
Eru, Dist.-Navsari,Gujarat - 396450. India. Phone : 02637 - 324755 / 093288 10888
Website : www.samarpanmeditation.org

|| Whole World is a Family ||

ॐ

20/6/13
गुरुवार

"माथेरान" का मंथन

सभी पुण्यआत्माओ को मेरा नमस्कार - - -

श्री गणपती अथर्वशीर्ष कोई गुरु किसी शिष्य को नही सिखाता है। वह इस लिये नही सिखाता है। क्योंकी अगर भुल से भी शिष्य से उसका अपमान हुआ तो उसका पाप "गुरु" को लगता है। ऐसी ही कुछ स्थिती अभी हाल ही मे हुयी है। पदाधीकारियो की २ बैठको मे हुयी जो "26" मे को शिर्डी मे हुआ और ९ ता. को दांडी आश्रम मे हुआ इन बैठको मे जो कुछ हुआ वह गुरुशक्तीयो का अनादर है। और न गुरुशक्तीयो के उपस्थीती का अहसास था,

अभी तक पदाधीकारीयो की बैठको मे "माध्यम" उपस्थीत रह कर सभी पदाधीकारियो को अलौकिक उर्जा प्रदान करता था। ताकी वे अधीक अच्छा गुरुकार्य संपन्न कर सके। और इसी पद्धती से कार्य का इतना विस्तार संभव हो सका।

Shree Shivkrupanand Swami

'Samarpan Bhavan', Eru-Abrama Road, Near Gandhi Smriti Station (W),
Eru, Dist.-Navsari,Gujarat - 396450. India. Phone : 02637 - 324755 / 093288 10888
Website : www.samarpanmeditation.org

|| Whole World is a Family ||

लेकीन यह पद्धती तभी तक सफल हो सकती है। जब तक पदाधीकारीयो का पुर्ण "समर्पण" का भाव हो और वे इस उर्जा को ग्रहण करने की क्षमता रखते हो अब ऐसा कुछ भी रहा नही है। अब पदाधीकारीयो का चित्त एक दुसरे मे ही होता है। वे शक्तीयो का आव्हान कर स्वंयम ही उपस्थीत नही होते है, माध्यम के सामने "झुठ" बोलते है। अपने आप को सामने वाले से "बडा" बताते है, और "अंहकार" का प्रदर्शन करते है, कार्य न हम करेंगे और न करने देंगे वाला "नकारात्मक भाव" रखते एक भी "सकारात्मक विचार" पदाधीकारीयो के पास नही होता है, हम सब किसके सामने बोल रहे है। इस बात का भी खयाल नही रखते है।

"माध्यम" कभी कीसी भी क्षण अकेला नही होता है। सदैव "प्यारा गुरुशक्तीया" सदैव साथ होती ही है, इन बैठको मे इनका अनादर हुआ है। और इस घटना के लिये "माध्यम" स्वंयम ही दोषी है। क्यो पदाधीकारी तो "अज्ञानी" है। उन्हे यह यह बात मालुम नही है।

लेकीन माध्यम को तो मालुम है। इस लीये अब "माध्यम" ने निर्णय लीया है। की भवीष्य मे वह किसी भी "पदाधीकारीयो की बैठक" मे शामील हो नही होगा। और इस प्रकार पदाधीकारीयो के हाथो गुरुशक्तीयो का "अनादर" भी नही होगा।

अब "माध्यम" वही कार्य करेगा जिससे "माध्यम" स्वंयम और गुरुशक्तीया "आंनदीत" महसुस करे। सीधा "साधको से सम्पर्क" करेगा। मौनध्यान का कार्यक्रम करेगा पुस्तके लिखेगा, बच्चो के कार्यक्रम लेगा। साधुओ के शिबीर लेगा। जहाँ माध्यम को और आत्माओ को "आंनद" प्राप्त होगा क्योकी "आंनद" मे "प्ररमात्मा" सुप्त अवस्था मे रहता है। यह सब निर्णय तक पहुचने के लिये एकान्त आवश्यक था ऐसा एकान्त प्राप्त करने के लिये माध्यम ने इस बार "माथेरान" का घना जंगल चुना था। "माथेरान" मे घना जंगल है। कोई बस्ती नही है। कोई वाहन का प्रदुषण नही है। पहाड की उंचाई है। और निसर्गरम्य स्थान है।

Shree Shivkrupanand Swami
'Samarpan Bhavan', Eru-Abrama Road, Near Gandhi Smriti Station (W),
Eru, Dist.-Navsari,Gujarat - 396450. India. Phone : 02637 - 324755 / 093288 10888
Website : www.samarpanmeditation.org

|| जय बाबा स्वामी ||

|| Whole World is a Family ||

वहा एक प्रकार की शांन्ती है। वहा जाना और वापस आना एक प्रकार की अनुभुती है, लेकीन 40 साल के उपर के लोग वहा नही दिखे थे। "माध्यम" एक मात्र कुठो का "प्रतिनीधी" था दस्तुरीनाके तक मुंबई से दो घंन्टे मे पहुचा जा सकता है, उसके आगे पदयात्रा 3 किलोमीटर की होती है। रास्ता इतना घने जंगल का है। की जंगल की आवाज भी सुनायी आती है, लोकल शटल भी समय समय पर चलती है। सभी ओर हरीयाली ही हरीयाली है। विभीन्न पक्षीयो की प्रजातीया दिखाई पडती है, "माध्यम" को "आत्ममंथन" करने के लिये एक अच्छा स्थान मीला और फीर यह निर्णय लीया गया। यह निर्णय साधको के लिये अधीक अच्छा क्योकी अब साधको को "माध्यम" के द्वारा गुरुशक्तीयो का अधीक² सानीध्य प्राप्त होगा और "माध्यम" भी आपके आध्यात्मीक प्रगती मे आपका "मार्गदर्शन" "मुक्त" रह कर कर सकेगा। आप सभी को खुब खुब आर्शिवाद

आपका
बाबा स्वामी
20/6/13